doubtnut
India's Number 1 Education App

HINDI

BOOKS - X BOARDS

Hindi (Course A) SOLVED PAPER 2019

Hindi Course A 2019 Outside Delhi Set I खण्ड क

1. दार्शनिक अरस्तू ने कहा है-"प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी

का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं। किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। समय निरंतर गतिमान है। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना

चाहिए। सफल जीवन की यही कुंजी है।

जीवन के अमूल्य क्षणों को किस प्रकार के व्यक्ति खो देते हैं?

View Text Solution

2. दार्शनिक अरस्तू ने कहा है-"प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं।

किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। समय निरंतर गतिमान है। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए। सफल जीवन की यही कुंजी है।

भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान क्यों कहा गया है?

View Text Solution

3. दार्शनिक अरस्तू ने कहा है-"प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं। किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं।

समय निरंतर गतिमान है। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए। सफल जीवन की यही कुंजी है।

दार्शनिक अरस्तू के कथन का आशय लिखिए।

View Text Solution

4. दार्शनिक अरस्तू ने कहा है-"प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई

अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं। किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। समय निरंतर गतिमान है। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए। सफल जीवन की यही कुंजी है।

लक्ष्मी किसे प्राप्त होती है?

View Text Solution

5. दार्शनिक अरस्तू ने कहा है-"प्रत्येक व्यक्ति को उचित समय पर, उचित व्यक्ति से, उचित मात्रा में, उचित उद्देश्य के लिए, उचित ढंग से व्यवहार करना चाहिए।" वास्तव में प्रत्येक प्राणी का संबंध एक-एक क्षण से रहता है, किन्तु व्यक्ति उसका महत्त्व नहीं समझता। अधिकतर व्यक्ति सोचते हैं कि कोई अच्छा समय आएगा तो काम करेंगे। इस दुविधा और उधेड़बुन में वे जीवन के अनेक अमूल्य क्षणों को खो देते हैं। किसी व्यक्ति को बिना हाथ-पाँव हिलाए संसार की बहुत बड़ी सम्पत्ति छप्पर फाड़कर कभी नहीं मिलती। समय उन्हीं के रथ के घोड़ों को हाँकता है, जो भाग्य के भरोसे बैठना पौरुष का अपमान समझते हैं। जो व्यक्ति श्रम और समय का पारखी

होता है, लक्ष्मी भी उसी का वरण करती है। समय की कीमत न पहचानने वाले समय बीत जाने पर सिर धुनते रह जाते हैं। समय निरंतर गतिमान है। इसलिए हमें समय का मूल्य समझना चाहिए। साथ ही समयानुसार काम भी करना चाहिए। सफल जीवन की यही कुंजी है।

उपर्युक्त गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Outside Delhi Set I खण्ड ख

1. निम्नलिखित का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:

मुझे अपनी पत्नी और पुत्र की मृत्यु के साथ ही फ़ादर के शब्दों से झरती शांति भी याद आ रही है।

(संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. निम्नलिखित का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:

रात हुई और आकाश में तारों के असंख्य दीप जल उठे।

(सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. निम्नलिखित का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:

माँ ने कहा कि शाम को जल्दी घर आ जाना।

(रेखांकित उपवाक्य का भेद लिखिए)

View Text Solution

4. निम्नलिखित का निर्देशानुसार उत्तर लिखिए:

पान वाले के लिए यह मजेदार बात थी लेकिन हालदार साहब के लिए चकित कर देने वाली।

(मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

5. निम्नलिखित वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए:

हालदार साहब ने पान खाया। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

6. निम्नलिखित वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए:

दादा जी प्रतिदिन पार्क में टहलते हैं। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

7. निम्नलिखित वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए:

गाँधी जी द्वारा विश्व को सत्य और अहिंसा का संदेश दिया गया। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

8. निम्नलिखित वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए:

पान कहीं आगे खा लेंगे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

9. निम्नलिखित वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए:

खिलाड़ी दौड़ नहीं सका। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

10. निम्नलिखित वाक्य में चार रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

सुरभि ________ से अभी-अभी आई है।

View Text Solution

11. निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पदों का पद-परिचय लिखिए:

उसने मेरी बातें ____________ सुनी।

View Text Solution

12. निम्नलिखित वाक्य में पदों का पद-परिचय लिखिए:

शाबाश! _____ बहुत अच्छा काम किया।

View Text Solution

13. निम्नलिखित वाक्य में पदों का पद-परिचय लिखिए:

वहाँ __ छात्र बैठे हैं।

View Text Solution

14. निम्नलिखित वाक्य में पदों का पद-परिचय लिखिए:

परिश्रम के ____ सफलता नहीं मिलती।

View Text Solution

15. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए:

'भयानक रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

16. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए:

निम्नलिखित काव्य-पंक्तियों में रस पहचान कर लिखिए:

तनकर भाला यूँ बोल उठा

राणा ! मुझको विश्राम न दे।

मुझको वैरी से हृदय-क्षोभ

तू तनिक मुझे आराम न दे।

View Text Solution

17. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए:

'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है?

View Text Solution

18. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए:

'शांत' रस का स्थायी भाव क्या है?

View Text Solution

19. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर दीजिए:

किस रस को 'रसराज' भी कहा जाता है?

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Outside Delhi Set I खण्ड ग

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पिता के ठीक विपरीत थथीं हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-

अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूर में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

माँ की उपमा धरती से क्यों की गई है?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पिता के ठीक विपरीत थर्थी हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर अपने लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूर में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

लेखिका को माँ का कौन-सा रूप अच्छा नहीं लगता था? क्यों?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

पिता के ठीक विपरीत थर्थी हमारी बेपढ़ी-लिखी माँ। धरती से कुछ ज्यादा ही धैर्य और सहनशक्ति थी शायद उनमें। पिता जी की हर ज्यादती को अपना प्राप्य और बच्चों की हर उचित-अनुचित फरमाइश और जिद को अपना फर्ज समझकर बड़े सहज भाव से स्वीकार करती थीं वे। उन्होंने जिंदगी भर अपने

लिए कुछ माँगा नहीं, चाहा नहीं केवल दिया ही दिया। हम भाई-बहिनों का सारा लगाव (शायद सहानुभूति से उपजा) माँ के साथ था लेकिन निहायत असहाय मजबूर में लिपटा उनका यह त्याग कभी मेरा आदर्श नहीं बन सका न उनका त्याग, न उनकी सहिष्णुता।

लेखिका और उसके भाई-बहनों की सहानुभूति किसके साथ थी ?

View Text Solution

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए:

बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की दो विशेषताएँ लिखिए।

View Text Solution

5. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए:

मन्नू भंडारी और उनके पिता के बीच मतभेद के दो कारण लिखिए।

View Text Solution

6. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए:

कैप्टन कौन था? वह मूर्ति के चश्मे को बार-बार क्यों बदल दिया करता था?

View Text Solution

7. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए:

फादर बुल्के को हिन्दी के बारे में क्या चिंता थी?

View Text Solution

8. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर संक्षेप में लिखिए:

खीरा काटने में नवाब साहब की विशेषज्ञता का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

View Text Solution

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

लखन कहा हँसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहू न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोहि।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्हीं। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

परशुराम के क्रुद्ध होने पर लक्ष्मण ने धनुष के टूट जाने के लिए कौन-कौन से तर्क दिए?

View Text Solution

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

लखन कहा हँसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।

का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।

छुअत टूट रघुपतिहू न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।

बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोहि।

बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।

भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्हीं। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।

सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

प्रस्तुत काव्यांश के आधार पर लिखिए कि परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा।

View Text Solution

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए:

लखन कहा हँसि हमरे जाना। सुनहु देव सब धनुष समाना।।

का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।

छुअत टूट रघुपतिहू न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।

बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा ।।

बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोहि।

बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वबिदित क्षत्रियकुल द्रोही।।

भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्हीं। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।

सहसबाहुभुज छेदनिहारा । परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

परशुराम के बारे में कौन-सी बात विश्व प्रसिद्ध थी?

View Text Solution

12. सूरदास' के पद के आधार पर लिखिए कि गोपियों ने किन उदाहरणों के माध्यम से उद्धव को उलाहने दिए हैं।

View Text Solution

13. उत्साह' कविता में कवि बादल को गरजने के लिए क्यों कहता है? बादल से कवि की अन्य अपेक्षाएँ क्या हैं?

View Text Solution

14. 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है? स्पष्ट करते हुए बताइए कि कविता क्या संदेश देती है।

View Text Solution

15. 'फसल' कविता में 'हाथों के स्पर्श की गरिमा और महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है? अपने शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

16. संगतकार' किन-किन रूपों में मुख्य गायक की सहायता करता है? कविता के आधार पर उसकी विशेष भूमिका को भी स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

17. माता का अंचल'नामकपाठमें लेखकने तत्कालीन समाज के पारिवारिक परिवेश का जो चित्रण किया है, उसे अपने शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

18. जॉर्ज पंचम की लाट पर किसी भी भारतीय नेता यहाँ तक की भारतीय बच्चे की नाक फिट न होने की बात से लेखक किस ओर संकेत करता है ? आप इस बारे में क्या सोचते हैं

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Outside Delhi Set I खण्ड घ

1. महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

• जीवन शैली

• कामकाजी महिलाओं की समस्या

• सुरक्षा में कमियों के कारण व सुझाव

View Text Solution

2. मित्र की परख संकट म विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

• भले दिनों के मित्र • बुरे दिनों के मित्र

• मित्र की परख

View Text Solution

3. मेरी कल्पना का विद्यालय विषय पर दिए गए संकेत-बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए:

• विद्यालय में क्या है अनावश्यक

• क्या-क्या है आवश्यक • विद्यालय और परिवेश

View Text Solution

4. आपके क्षेत्र में डेंगू फैल रहा है। स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखकर उपयुक्त चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए प्रार्थना-पत्र लिखिए।

View Text Solution

5. अपने प्रिय मित्र को पत्र लिखकर धन्यवाद दीजिए कि आड़े वक्त में उसने किस तरह आपका साथ दिया था।

View Text Solution

6. आपके शहर में एक नया वाटर पार्क खुला है, जिसमें पानी के खेल, रोमांचक झूलों, मनोरंजक खेलों और खान-पान की व्यवस्था है। इसके लिए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

7. आपके पिताजी अपनी पुरानी कार बेचना चाहते हैं। इसके लिए पूरा विवरण देते हुए एक विज्ञापन का आलेख लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Outside Delhi Set Ii खण्ड ग

1. लेखक ने फादर कामिल बुल्के की याद को यज्ञ की पवित्र अग्नि क्यों कहा है?

View Text Solution

2. मन्नू भंडारी का अपने पिता से जो वैचारिक मतभेद था उसे अपने शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

3. नेताजी का चश्मा' पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है?

View Text Solution

4. बालगोबिन भगत सुस्त और बोदे से बेटे के साथ कैसा व्यवहार करते थे और क्यों?

View Text Solution

5. लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा।

View Text Solution

6. संगतकार की मनुष्यता किसे कहा गया है? वह मनुष्यता कैसे बनाए रखता है?

View Text Solution

7. अट नहीं रही है' कविता के आधार पर बसंत ऋतु की शोभा का वर्णन कीजिए।

View Text Solution

8. परशुराम ने अपनी किन विशेषताओं के उल्लेख के द्वारा लक्ष्मण को डराने का प्रयास किया?

View Text Solution

9. आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है? तर्क दीजिए।

View Text Solution

10. कवि ने शिशु की मुस्कान को 'दंतुरित मुस्कान' क्यों कहा है? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा?

View Text Solution

11. गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं। इससे आप चिंतित हैं। इन अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

View Text Solution

12. आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनंद उठाया था। घर वापस लौटने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Outside Delhi Set Iii खण्ड ग

1. दो उदाहरण दीजिए जिनसे आपको लगा हो कि बालगोबिन भगत सामाजिक रूढ़ियों से न बँध कर प्रगतिशील विचारों का परिचय देते हैं।

View Text Solution

2. नवाब साहब ने खीरा खाने की पूरी तैयारी की और उसके बाद उसे बिना खाए फेंक दिया। इस नवाबी व्यवहार पर टिप्पणी कीजिए।

View Text Solution

3. फादर कामिल बुल्के के हिन्दी के प्रति लगाव के दो उदाहरण पाठ के आधार पर दीजिए।

View Text Solution

4. मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व पर किन-किन व्यक्तियों का प्रभाव किस रूप में पड़ा?

View Text Solution

5. कैसे कह सकते हैं कि "काशी संस्कृति की प्रयोगशाला" है?

'नौबतखाने में इबादत' पाठ के आधार पर लिखिए।

View Text Solution

6. उत्साह' कविता में कवि बादल से क्या अनुरोध करता है?

View Text Solution

7. भाव स्पष्ट कीजिए :

"छू गया तुमसे कि झरने लग पड़े शेफालिका के फूल बाँस था

कि बबूल?"

View Text Solution

8. छाया मत छूना मन' में 'छाया' किसका प्रतीक है? उसे छूने को मना क्यों किया गया है?

View Text Solution

9. कन्यादान' कविता का संदेश संक्षेप में लिखिए।

View Text Solution

10. मँजे हुए प्रतिष्ठित संगीतकार को भी अच्छे संगतकार की आवश्यकता क्यों होती है?

View Text Solution

11. माता का अंचल' पाठ की दो बातों का उल्लेख कीजिए जो आपको अच्छी लगी हों। इनसे आपको क्या प्रेरणा मिली?

View Text Solution

12. जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

13. पड़ोस में आग लगने की दुर्घटना की खबर तुरंत दिए जाने पर भी दमकल अधिकारी और पुलिस देर से पहुँचे जिससे आग ने भीषण रूप ले लिया। इसके बारे में विवरण सहित एक शिकायती-पत्र अपने जिला अधिकारी को लिखिए।

View Text Solution

14. पढ़ाई छोड़कर घर बैठे छोटे भाई को समझाते हुए पत्र लिखिए कि पढ़ना क्यों आवश्यक है। पत्र ऐसा हो कि उसमें नई उमंग का संचार हो सके।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Delhi Set I खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए।

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है।

दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी है। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नजर कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

आजकल दूरदर्शन के धारावाहिकों का स्तर कैसा है?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए।

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का

मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी है। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नजर कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

दूरदर्शन का दुष्प्रभाव किन पर अधिक पड़ता है और क्यों?

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए।

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी है। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है,

नजर कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

दूरदर्शन के क्या-क्या दुष्प्रभाव हैं?

View Text Solution

4. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए।

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से

परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी है। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं। बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नजर कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

'बाल्यावस्था' शब्द का संधि-विच्छेद कीजिए।

View Text Solution

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए।

आजकल दूरदर्शन पर आने वाले धारावाहिक देखने का प्रचलन बढ़ गया है बाल्यावस्था में यह शौक हानिकारक है। दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले धारावाहिक निम्न स्तर के होते हैं। उनमें अश्लीलता, अनास्था, फैशन तथा नैतिक बुराइयाँ ही अधिक देखने को मिलती हैं। छोटे बालक मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होते। इस उम्र में वे जो भी देखते हैं उसका प्रभाव उनके दिमाग पर अंकित हो जाता है। बुरी आदतों को वे शीघ्र ही अपना लेते हैं समाजशास्त्रियों के एक वर्ग का मानना है कि समाज में चारों ओर फैली बुराइयों का एक बड़ा कारण दूरदर्शन तथा चलचित्र भी है। दूरदर्शन से आत्मसीमितता, जड़ता, पंगुता अकेलापन आदि दोष बढ़े हैं।

बिना समय की पाबंदी के घंटों दूरदर्शन के साथ चिपके रहना बिलकुल गलत है। इससे मानसिक विकास रुक जाता है, नजर कमजोर हो सकती है और तनाव बढ़ सकता है।

उपर्युक्त गद्यांश के लिए उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Delhi Set I खण्ड ख

1. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

मैंने उस व्यक्ति को देखा जो पीड़ा से कराह रहा था। (संयुक्त वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

2. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

जो व्यक्ति परिश्रमी होता है, वह अवश्य सफल होता है। (सरल वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

3. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

______-______ जो आपको बहुत याद है। (रेखांकित उपवाक्य का भेद बदलिए)

View Text Solution

4. निर्देशानुसार उत्तर लिखिए-

कश्मीरी गेट के निकल्सन कब्रगाह में उनका ताबूत उतारा गया। (मिश्र वाक्य में बदलिए)

View Text Solution

5. वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

बालगोबिन भगत प्रभातियाँ गाते थे। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

6. वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

बीमारी के कारण वह यहाँ न आ सका। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

7. वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

माँ के द्वारा बचपन में ही घोषित कर दिया गया था। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

8. वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

अवनि चाय बना रही है। (कर्मवाच्य में बदलिए)

View Text Solution

9. वाक्य का निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन कीजिए

घायल हंस उड़ न पाया। (भाववाच्य में बदलिए)

View Text Solution

10. वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए-

दादी जी प्रतिदिन समाचार पत्र _____ हैं।

View Text Solution

11. वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए-

रोहन ___ नहीं आया था।

View Text Solution

12. वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए-

_ मुंबई जा चुके हैं।

View Text Solution

13. वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए-

________ अंकिता अपना काम समय में पूरा कर लेती है।

View Text Solution

14. वाक्य में रेखांकित पद का पद-परिचय लिखिए-

___ रोज सवेरे दौड़ता है।

View Text Solution

15. 'करुण रस' का एक उदाहरण लिखिए।

View Text Solution

16. निम्नलिखित काव्य पंक्तियों में निहित रस पहचान कर लिखिए-

तंबूरा ले मंच पर बैठे प्रेमप्रताप,

साज मिले पंद्रह मिनट, घंटा भर आलाप।

घंटा भर आलाप, राग में मारा गोता,

धीरे-धीरे खिसक चुके थे सारे श्रोता।

View Text Solution

17. उत्साह' किस रस का स्थायी भाव है?

View Text Solution

18. 'वात्सल्य रस का स्थायी क्या है?

View Text Solution

19. श्रृंगार' रस के कौन-से दो भेद हैं।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Delhi Set I खण्ड ग

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए-

किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका,

"बाबा। आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरल भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं।" खाँ साहब मुसकराए। लाड़ से भरकर बोले, "धत्‌ ! पगली, ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या रियाज हो पाता?"

एक दिन एक शिष्या ने खाँ साहब को क्या कहा? क्यों?

View Text Solution

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए-

किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका, "बाबा। आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरल भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं।" खाँ साहब मुसकराए। लाड़ से भरकर बोले, "धत् ! पगली, ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती शहनाई। तब क्या रियाज हो पाता?"

खाँ साहब ने शिष्या को क्या समझाया।

View Text Solution

3. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए-

किसी दिन एक शिष्या ने डरते-डरते खाँ साहब को टोका, "बाबा। आप यह क्या करते हैं, इतनी प्रतिष्ठा है आपकी। अब तो आपको भारतरल भी मिल चुका है, यह फटी तहमद न पहना करें। अच्छा नहीं लगता, जब भी कोई आता है आप इसी फटी तहमद में सबसे मिलते हैं।" खाँ साहब मुसकराए। लाड़ से भरकर बोले, “धत् ! पगली, ई भारतरत्न हमको शहनईया पे मिला है, लुंगिया पे नाहीं। तुम लोगों की तरह बनाव-सिंगार देखते रहते, तो उमर ही बीत जाती, हो चुकती

शहनाई। तब क्या रियाज हो पाता?"

इससे खाँ साहब के स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है?

View Text Solution

4. लेखक ने फादर कामिल बुल्के की याद को 'यज्ञ की पवित्र अग्नि' क्यों कहा है?

View Text Solution

5. मन्नू भंडारी का अपने पिता से जो वैचारिक मतभेद था उसे अपने शब्दों में लिखिए।

View Text Solution

6. नेताजी का चश्मा' पाठ में बच्चों द्वारा मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा लगाना क्या प्रदर्शित करता है?

View Text Solution

7. बालगोबिन भगत अपने सुस्त और बोदे से बेटे के साथ कैसा व्यवहार करते थे और क्यों?

View Text Solution

8. 'लखनवी अंदाज' पाठ के आधार पर बताइए कि लेखक ने यात्रा करने के लिए सेकंड क्लास का टिकट क्यों खरीदा?

View Text Solution

9. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए-

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया:

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना

मन, होगा दुःख दूना।

'हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है' इस पंक्ति से कवि किस तथ्य से अवगत करवाना चाहता है?

View Text Solution

10. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए-

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया:

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना

मन, होगा दुःख दूना।

कवि ने यथार्थ के पूजन की बात क्यों कही है?

View Text Solution

11. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्न का उत्तर लिखिए-

यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया:

जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।

प्रभुता का शरण-बिंब केवल मृगतृष्णा है,

हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।

जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन-

छाया मत छूना

मन, होगा दुःख दूना।

'मृगतृष्णा' का प्रतीकात्मक अर्थ लिखिए।

View Text Solution

12. संगतकार की मनुष्यता किसे कहा गया है। वह मनुष्यता कैसे बनाए रखता है?

View Text Solution

13. 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर वसंत ऋतु की शोभा का वर्णन कीजिए।

View Text Solution

14. परशुराम ने अपनी किन विशेषताओं के उल्लेख के द्वारा लक्ष्मण को डराने का प्रयास किया?

View Text Solution

15. आपकी दृष्टि में कन्या के साथ दान की बात करना कहाँ तक उचित है? तर्क दीजिए।

View Text Solution

16. कवि ने शिशु की मुस्कान को दंतुरित मुस्कान क्यों कहा है? कवि के मन पर उस मुस्कान का क्या प्रभाव पड़ा?

View Text Solution

17. जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के माध्यम से लेखक ने समाज पर क्या व्यंग्य किया है?

View Text Solution

18. सिक्किम की युवती के कथन 'मैं इंडियन हूँ' से स्पष्ट होता है कि अपनी जाति, धर्म-क्षेत्र और संप्रदाय से अधिक महत्वपूर्ण राष्ट्र है। आप किस प्रकार राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्य निभाकर देश के प्रति अपना प्रेम प्रकट कर सकते हैं? समझाइए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Delhi Set I खण्ड घ

1. कमरतोड़ महँगाई विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

• महँगाई के कारण •समाज पर प्रभाव

• व्यावहारिक समाधान

View Text Solution

2. स्वच्छ भारत अभियान विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

• विकास में स्वच्छता का योगदान

• अस्वच्छता से हानियाँ • रोकने के उपाय

View Text Solution

3. बदलती जीवन शैली विषय पर दिए गए संकेत बिन्दुओं के आधार पर लगभग 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए-

• जीवन शैली का आशय

• बदलाव कैसा • परिणाम

View Text Solution

4. गत कुछ दिनों से आपके क्षेत्र में अपराध बढ़ने लगे हैं जिससे आप चिंतित हैं। इन अपराधों की रोकथाम के लिए थानाध्यक्ष को पत्र लिखिए।

View Text Solution

5. आपका एक मित्र शिमला में रहता है। आप उसके आमंत्रण पर ग्रीष्मावकाश में वहाँ गए थे और प्राकृतिक सौंदर्य का खूब आनंद उठाया था। घर वापस लौटने पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

View Text Solution

6. अतिवृष्टि के कारण कुछ शहर बाढ़ ग्रस्त हैं। वहाँ के निवासियों की सहायतार्थ सामग्री एकत्र करने हेतु एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

7. बॉल पेनों की एक कंपनी सफल' नाम से बाजार में आई है। उसके लिए एक विज्ञापन लगभग 50 शब्दों में तैयार कीजिए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Delhi Set Ii खण्ड ग

1. पाठ के आधार पर मन्नू भंडारी की माँ के स्वभाव की विशेषताएं लिखिए।

View Text Solution

2. नेताजी का चश्मा' पाठ का संदेश क्या है? स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

3. लखनवी अंदाज' के पात्र नवाब साहब के व्यवहार पर अपने विचार लिखिए।

View Text Solution

4. फादर बुल्के को 'करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा गया है।

View Text Solution

5. लेखक ने बिस्मिल्ला खाँ को वास्तविक अर्थों में सच्चा इंसान क्यों माना है?

View Text Solution

6. 'आग रोटियाँ सेंकने के लिए है जलने के लिए नहीं।

View Text Solution

7. कवि अपने मन को ' मत छूना' कहकर क्या समझाना चाहता है?

View Text Solution

8. छू गया तुमसे कि झरने लगे शेफालिका के फूल' उक्त पंक्ति का आशय नागार्जुन की कविता के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

9. परशुराम को लक्ष्मण ने वीर योद्धा के क्या लक्षण बताए हैं?

View Text Solution

10. साना-साना हाथ जोड़ि' के आधार पर लिखिए कि देश की सीमा पर सैनिक किस प्रकार की कठिनाइयों से जूझते हैं? उनके प्रति भारतीय युवकों का क्या उत्तरदायित्व होना चाहिए?

View Text Solution

11. जार्ज पंचम की नाक' को लेकर शासन में खलवली क्यों थीं? इसमें निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए।

View Text Solution

12. किसी बस में वारदात कर भाग रहे अपराधी को संवाहक द्वारा पकड़ कर पुलिस को सौंपने की घटना की विवरण सहित जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के प्रबंधक को पत्र लिखकर कि उसे पुरस्कृत करने का अनुरोध कीजिए।

View Text Solution

13. आपकी बहन कस्बे से अपनी पढ़ाई पूरी कर आगे शिक्षा के लिए बड़े नगर में गई है नगर के वातावरण में संभावित परेशानियों की चर्चा करते हुए उनसे बचने के तरीके उसे पत्र द्वारा समझाइए।

View Text Solution

Hindi Course A 2019 Delhi Set Iii खण्ड ग

1. मन्नू भंडारी के पिता के दकियानूसी मित्र ने उन्हें क्या बताया कि वे भड़क उठे?

View Text Solution

2. बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के आश्चर्य का कारण क्यों थी?

View Text Solution

3. कैसे कह सकते हैं कि बिस्मिल्ला खां मिली-जुली संस्कृति के प्रतीक थे?

View Text Solution

4. फादर बुल्के की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी लगती थी'— इस मान्यता का कारण समझाइए।

View Text Solution

5. नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर आशय समझाइए- "क्या होगा उस कौम का जो अपने देश की खातिर घर-गृहस्थी, जवानी-जिंदगी सब कुछ होम देने वालों पर भी हँसती है।

View Text Solution

6. लक्ष्मण ने धनुष टूटने के किन कारणों की संभावना व्यक्त करते हुए राम को निर्दोष बताया?

View Text Solution

7. फागुन में ऐसी क्या बात थी कि कवि की आँख हट नहीं रही है?

View Text Solution

8. फसल क्या है? इसको लेकर फसल के बारे में कवि ने क्या-क्या संभावनाएँ व्यक्त की हैं?

View Text Solution

9. कन्यादान' कविता में वस्त्र और आभूषणों को स्त्री जीवन के बंधन' क्यों कहा गया है?

View Text Solution

10. संगतकार किसे कहा जाता है? उसकी भूमिका क्या होती है?

View Text Solution

11. साना-साना हाथ जोड़ि' के आधार पर गंगतोक के मार्ग के प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन कीजिए जिसे देखकर लेखिका को अनुभव हुआ- "जीवन का आनंद है यही चलायमान सौन्दर्य।"

View Text Solution

12. जॉर्ज पंचम की नाक' के बहाने भारतीय शासनतंत्र पर किए गए व्यंग्य को स्पष्ट करते हुए पत्रकारों की भूमिका पर भी टिप्पणी कीजिए।

View Text Solution

13. किसी विशेष टी. वी. चैनल द्वारा अंधविश्वासों को प्रोत्साहित करने वाले अवैज्ञानिक और तर्कहीन कार्यक्रम प्रायः दिखाए जाने पर अपने विचार व्यक्त करते हुए किसी समाचार पत्र के संपादक को पत्र लिखिए।

View Text Solution

14. आप अपनी किसी चूक के लिए बहुत लज्जित हैं और माँ के सामने जाने का साहस भी नहीं जुटा पा रहे हैं। तथ्यों को स्पष्ट करते हुए माँ को पत्र लिखकर क्षमायाचना कीजिए।

View Text Solution